जापु साहिब

पातिशाही १०

जापु साहिब

ੴ सतिगुर प्रसादि ॥

स्री वाहिगुरू जी की फतह ॥

जापु

स्री मुखवाक पातिशाही १०॥

छपै छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

चक्र चिहन अरु बरन जाति अरु पाति नहिन जिह ॥
रूप रंग अरु रेख भेख कोऊ कहि न सकति किह ॥
अचल मूरति अनभउ प्रकास अमितोजि कहिजै ॥
कोटि इंद्र इंद्राणि साहु साहाणि गणिजै ॥
त्रिभवण महीप सुर नर असुर नेत नेत बन त्रिण कहत ॥
तव सरब नाम कथै कवन करम नाम बरनत सुमति ॥१॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमसत्वं अकाले ॥ नमसत्वं क्रिपाले ॥

नमसतं अरूपे ॥ नमसतं अनूपे ॥२॥

नमसतं अभेखे ॥ नमसतं अलेखे ॥

नमसतं अकाए ॥ नमसतं अजाए ॥३॥

नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥

नमसतं अनामे ॥ नमसतं अठामे ॥४॥

नमसतं अकरमं ॥ नमसतं अधरमं ॥

नमसतं अनामं ॥ नमसतं अधामं ॥५॥

नमसतं अजीते ॥ नमसतं अभीते ॥

नमसतं अबाहे ॥ नमसतं अढाहे ॥६॥

नमसतं अनीले ॥ नमसतं अनादे ॥

नमसतं अछेदे ॥ नमसतं अगाधे ॥७॥

नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥

नमसतं उदारे ॥ नमसतं अपारे ॥८॥

नमसतं सु एकै ॥ नमसतं अनेकै ॥

नमसतं अभूते ॥ नमसतं अजूपे ॥९॥

नमसतं न्रिकरमे ॥ नमसतं न्रिभरमे ॥

नमसतं न्रिदेसे ॥ नमसतं न्रिभेसे ॥१०॥

नमसतं न्रिनामे ॥ नमसतं न्रिकामे ॥

नमसतं न्रिधाते ॥ नमसतं न्रिघाते ॥११॥

नमसतं न्रिधूते ॥ नमसतं अभूते ॥

नमसतं अलोके ॥ नमसतं असोके ॥१२॥

नमसतं न्रिताપे ॥ नमसतं अथापे ॥

नमसतं त्रिमाने ॥ नमसतं निधाने ॥१३॥

नमसतं अगाहे ॥ नमसतं अबाहे ॥

नमसतं त्रिबरगे ॥ नमसतं असरगे ॥१४॥

नमसतं प्रभोगे ॥ नमसतं सुजोगे ॥

नमसतं अरंगे ॥ नमसतं अभंगे ॥१५॥

नमसतं अगमे ॥ नमसतसतु रमे ॥

नमसतं जलासरे ॥ नमसतं निरासरे ॥१६॥

नमसतं अजाते ॥ नमसतं अपाते ॥

नमसतं अमजबे ॥ नमसतसतु अजबे ॥१७॥

अदेसं अदेसे ॥ नमसतं अभेसे ॥

नमसतं न्रिधामे ॥ नमसतं न्रिबामे ॥१८॥

नमो सरब काले ॥ नमो सरब दिआले ॥

नमो सरब रूपे ॥ नमो सरब भूपे ॥१९॥

नमो सरब खापे ॥ नमो सरब थापे ॥

नमो सरब काले ॥ नमो सरब पाले ॥२०॥

नमसतसतु देवै ॥ नमसतं अभेवै ॥

नमसतं अजनमे ॥ नमसतं सु बनमे ॥२१॥

नमो सरब गउने ॥ नमो सरब भउने ॥

नमो सरब रंगे ॥ नमो सरब भंगे ॥२२॥

नमो काल काले ॥ नमसतसतु दिआले ॥

नमसतं अबरने ॥ नमसतं अमरने ॥२३॥

नमसतं जरारं ॥ नमसतं क्रितारं ॥

नमो सरब धंधे ॥ नमो सत अबंधे ॥२४॥

नमसतं न्रिसाके ॥ नमसतं न्रिबाके ॥

नमसतं रहीमे ॥ नमसतं करीमे ॥२५॥

नमसतं अनंते ॥ नमसतं महंते ॥

नमसतसतु रागे ॥ नमसतं सुहागे ॥२६॥

नमो सरब सोखं ॥ नमो सरब पोखं ॥

नमो सरब करता ॥ नमो सरब हरता ॥२७॥

नमो जोग जोगे ॥ नमो भोग भोगे ॥

नमो सरब दिआले ॥ नमो सरब पाले ॥२८॥

चाचरी छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

अरूप हैं ॥ अनूप हैं ॥ अजू हैं ॥ अभू हैं ॥२९॥

अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥ अनाम हैं ॥ अकाम हैं ॥३०॥

अधे हैं ॥ अभे हैं ॥ अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥३१॥

त्रिमान हैं ॥ निधान हैं ॥ त्रिबरग हैं ॥ असरग हैं ॥३२॥

अनील हैं ॥ अनादि हैं ॥ अजे हैं ॥ अजादि हैं ॥३३॥

अजनम हैं ॥ अबरन हैं ॥ अभूत हैं ॥ अभरन हैं ॥३४॥

अगंज हैं ॥ अभंज हैं ॥ अझूझ हैं ॥ अझंझ हैं ॥३५॥

अमीक हैं ॥ रफ़ीक हैं ॥ अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥३६॥

न्रिबूझ हैं ॥ असूझ हैं ॥ अकाल हैं ॥ अजाल हैं ॥३७॥

अलाह हैं ॥ अजाह हैं ॥ अनंत हैं ॥ महंत हैं ॥३८॥

अलीक हैं ॥ न्रिसीक हैं ॥ न्रिल्मभ हैं ॥ अस्मभ हैं ॥३९॥

अगम हैं ॥ अजम हैं ॥ अभूत हैं ॥ अछूत हैं ॥४०॥

अलोक हैं ॥ असोक हैं ॥ अकरम हैं ॥ अभरम हैं ॥४१॥

अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥ अबाह हैं ॥ अगाह हैं ॥४२॥

अमान हैं ॥ निधान हैं ॥ अनेक हैं ॥ फिर एक हैं ॥४३॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥

नमो देव देवे ॥ अभेखी अभेवे ॥४४॥

नमो काल काले ॥ नमो सरब पाले ॥

नमो सरब गउणे ॥ नमो सरब भउणे ॥४५॥

अनंगी अनाथे ॥ न्रिसंगी प्रमाथे ॥

नमो भान भाने ॥ नमो मान माने ॥४६॥

नमो चंद्र चंद्रे ॥ नमो भान भाने ॥

नमो गीत गीते ॥ नमो तान ताने ॥४७॥

नमो निरत निरते ॥ नमो नाद नादे ॥
नमो पान पाने ॥ नमो बाद बादे ॥४८॥
अनंगी अनामे ॥ समसती सरूपे ॥
प्रभंगी प्रमाथे ॥ समसती बिभूते ॥४९॥
कलंकं बिना ने कलंकी सरूपे ॥
नमो राज राजे स्वरं परम रूपे ॥५०॥
नमो जोग जोगे स्वरं परम सिधे ॥
नमो राज राजे स्वरं परम ब्रिधे ॥५१॥
नमो ससत्र पाणे ॥ नमो असत्र माणे ॥
नमो परम गिआता ॥ नमो लोक माता ॥५२॥
अभेखी अभरमी अभोगी अभुगते ॥
नमो जोग जोगे स्वरं परम जुगते ॥५३॥
नमो नित नाराइणे क्रूर करमे ॥
नमो प्रेत अप्रेत देवे सुधरमे ॥५४॥
नमो रोग हरता ॥ नमो राग रूपे ॥
नमो साह साहं ॥ नमो भूप भूपे ॥५५॥
नमो दान दाने ॥ नमो मान माने ॥
नमो रोग रोगे नमसतं इसनानं ॥५६॥
नमो मंत्र मंत्रं ॥ नमो जंत्र जंत्रं ॥
नमो इसट इसटे ॥ नमो तंत्र तंत्रं ॥५७॥

सदा सचदानंद सरबं प्रणासी ॥
अनूपे अरूपे समसतुलि निवासी ॥५८॥
सदा सिधदा बुधदा ब्रिध करता ॥
अधो उरध अरधं अघं ओघ हरता ॥५९॥
परम परम परमेस्वरं प्रोछ पालं ॥
सदा सरबदा सिध दाता दिआलं ॥६०॥
अछेदी अभेदी अनामं अकामं ॥
समसतो पराजी समसतसतु धामं ॥६१॥

तेरा जोरु ॥ चाचरी छंद ॥
जले हैं ॥ थले हैं ॥ अभीत हैं ॥ अभे हैं ॥ ॥६२॥
प्रभू हैं ॥ अजू हैं ॥ अदेस हैं ॥ अभेस हैं ॥६३॥

भुजंग प्रयात छंद ॥
अगाधे अबाधे ॥ अनंदी सरूपे ॥
नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥६४॥
नमसत्वं त्रिनाथे ॥ नमसत्वं प्रमाथे ॥
नमसत्वं अगंजे ॥ नमसत्वं अभंजे ॥६५॥
नमसत्वं अकाले ॥ नमसत्वं अपाले ॥
नमो सरब देसे ॥ नमो सरब भेसे ॥६६॥

नमो राज राजे ॥ नमो साज साजे ॥
नमो शाह शाहे ॥ नमो माह माहे ॥६७॥
नमो गीत गीते ॥ नमो प्रीत प्रीते ॥
नमो रोख रोखे ॥ नमो सोख सोखे ॥६८॥
नमो सरब रोगे ॥ नमो सरब भोगे ॥
नमो सरब जीतं ॥ नमो सरब भीतं ॥६९॥
नमो सरब गिआनं ॥ नमो परम तानं ॥
नमो सरब मंत्रं ॥ नमो सरब जंत्रं ॥७०॥
नमो सरब द्रिसं ॥ नमो सरब क्रिसं ॥
नमो सरब रंगे ॥ त्रिभंगी अनंगे ॥७१॥
नमो जीव जीवं ॥ नमो बीज बीजे ॥
अखिजे अभिजे ॥ समसतं प्रसिजे ॥७२॥
क्रिपालं सरूपे ॥ कुकरमं प्रणासी ॥
सदा सरबदा रिधि सिधं निवासी ॥७३॥

चरपट छंद ॥ त्व प्रसादि ॥
अम्रित करमे ॥ अ्मब्रित धरमे ॥
अखल जोगे ॥ अचल भोगे ॥७४॥
अचल राजे ॥ अटल साजे ॥
अखल धरमं ॥ अलख करमं ॥७५॥

सरबं दाता ॥ सरबं गिआता ॥
सरबं भाने ॥ सरबं माने ॥७६॥
सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥
सरबं भुगता ॥ सरबं जुगता ॥७७॥
सरबं देवं ॥ सरबं भेवं ॥
सरबं काले ॥ सरबं पाले ॥७८॥

रूआल छंद ॥ त्व प्रसादि ॥
आदि रूप अनादि मूरति अजोनि पुरख अपार ॥
सरब मान त्रिमान देव अभेव आदि उदार ॥
सरब पालक सरब घालक सरब को पुनि काल ॥
जत्र तत्र बिराजही अवधूत रूप रिसाल ॥७९॥
नाम ठाम न जात जाकर रूप रंग न रेख ॥
आदि पुरख उदार मूरति अजोनि आदि असेख ॥
देस और न भेस जाकर रूप रेख न राग ॥
जत्र तत्र दिसा विसा हुइ फैलिओ अनुराग ॥८०॥
नाम काम बिहीन पेखत धाम हूं नहि जाहि ॥
सरब मान सरबत्र मान सदैव मानत ताहि ॥
एक मूरति अनेक दरसन कीन रूप अनेक ॥
खेल खेल अखेल खेलन अंत को फिर एक ॥८१॥

देव भेव न जानही जिह बेद अउर कतेब ॥
रूप रंग न जाति पाति सु जानई किह जेब ॥
तात मात न जात जाकरि जनम मरन बिहीन ॥
चक्र बक्र फिरै चत्र चक मानही पुर तीन ॥८२॥
लोक चउदह के बिखै जग जापही जिह जाप ॥
आदि देव अनादि मूरति थापिओ सबै जिह थाप ॥
परम रूप पुनीत मूरति पूरन पुरखु अपार ॥
सरब बिस्व रचिओ सुय्मभव गड़न भंजनहार ॥८३॥
काल हीन कला संजुगति अकाल पुरख अदेस ॥
धरम धाम सु भरम रहित अभूत अलख अभेस ॥
अंग राग न रंग जाकह जाति पाति न नाम ॥
गरब गंजन दुसट भंजन मुकति दाइक काम ॥८४॥
आप रूप अमीक अन उसतति एक पुरख अवधूत ॥
गरब गंजन सरब भंजन आदि रूप असूत ॥
अंग हीन अभंग अनातम एक पुरख अपार ॥
सरब लाइक सरब घाइक सरब को प्रतिपार ॥८५॥
सरब गंता सरब हंता सरब ते अनभेख ॥
सरब सासत्र न जानही जिह रूप रंग अरु रेख ॥
परम बेद पुराण जाकहि नेत भाखत नित ॥
कोटि सिम्रिति पुरान सासत्र न आवई वहु चिति ॥८६॥

मधुभार छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

गुन गन उदार ॥ महिमा अपार ॥

आसन अभंग ॥ उपमा अनंग ॥८७॥

अनभउ प्रकास ॥ निसदिन अनास ॥

आजान बाहु ॥ साहान साहु ॥८८॥

राजान राज ॥ भानान भान ॥

देवान देव ॥ उपमा महान ॥८९॥

इंद्रान इंद्र ॥ बालान बाल ॥

रंकान रंक ॥ कालान काल ॥९०॥

अनभूत अंग ॥ आभा अभंग ॥

गति मिति अपार ॥ गुन गन उदार ॥९१॥

मुनि गन प्रनाम ॥ निरभै निकाम ॥

अति दुति प्रचंड ॥ मिति गति अखंड ॥९२॥

आलिस्य करम ॥ आद्रिस्य धरम ॥

सरबा भरणाढय ॥ अनडंड बाढय ॥९३॥

चाचरी छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

गोबिंदे ॥ मुकंदे ॥ उदारे ॥ अपारे ॥९४॥

हरीअं ॥ करीअं ॥ न्रिनामे ॥ अकामे ॥९५॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

चत्रू चक्र करता ॥ चत्रू चक्र हरता ॥

चत्रू चक्र दाने ॥ चत्रू चक्र जाने ॥९६॥

चत्रू चक्र वरती ॥ चत्रू चक्र भरती ॥

चत्रू चक्र पाले ॥ चत्रू चक्र काले ॥९७॥

चत्रू चक्र पासे ॥ चत्रू चक्र वासे ॥

चत्रू चक्र मानयै ॥ चत्रू चक्र दानयै ॥९८॥

चाचरी छंद ॥

न सत्रै ॥ न मित्रै ॥ न भरमं ॥ न भित्रै ॥९९॥

न करमं ॥ न काए ॥ अजनमं ॥ अजाए ॥१००॥

न चित्रै ॥ न मित्रै ॥ परे हैं ॥ पवित्रै ॥१०१॥

प्रिथीसै ॥ अदीसै ॥ अद्रिसै ॥ अक्रिसै ॥१०२॥

भगवती छंद ॥ त्व पर्रादि कथते ॥

कि आछिज देसै ॥ कि आभिज भेसै ॥

कि आगंज करमै ॥ कि आभंज भरमै ॥१०३॥

कि आभिज लोकै ॥ कि आदित सोकै ॥

कि अवधूत बरनै ॥ कि बिभूत करनै ॥१०४॥

कि राजं प्रभा हैं ॥ कि धरमं धुजा हैं॥
कि आसोक बरनै ॥ कि सरबा अभरनै ॥१०५॥
कि जगतं क्रिती हैं ॥ कि छत्रं छत्री हैं ॥
कि ब्रहमं सरूपै ॥ कि अनभउ अनूपै ॥१०६॥
कि आदि अदेव हैं ॥ कि आपि अभेव हैं ॥
कि चित्रं बिहीनै ॥ कि एकै अधीनै ॥१०७॥
कि रोज़ी रज़ाकै ॥ रहीमै रिहाकै ॥
कि पाक बिऐब हैं ॥ कि ग़ैबुल ग़ैब हैं ॥१०८॥
कि अफवुल गुनाह हैं ॥ कि शाहान शाह हैं ॥
कि कारन कुनिंद हैं ॥ कि रोज़ी दिहंद हैं ॥१०९॥
कि राज़क रहीम हैं ॥ कि करमं करीम हैं ॥
कि सरबं कली हैं ॥ कि सरबं दली हैं ॥११०॥
कि सरबत्र मानियै ॥ कि सरबत्र दानियै ॥
कि सरबत्र गउनै ॥ कि सरबत्र भउनै ॥१११॥
कि सरबत्र देसै ॥ कि सरबत्र भेसै ॥
कि सरबत्र राजै ॥ कि सरबत्र साजै ॥११२॥
कि सरबत्र दीनै ॥ कि सरबत्र लीनै ॥
कि सरबत्र जाहो ॥ कि सरबत्र भाहो ॥११३॥
कि सरबत्र देसै ॥ कि सरबत्र भेसै ॥
कि सरबत्र कालै ॥ कि सरबत्र पालै ॥११४॥

कि सरबत्र हंता ॥ कि सरबत्र गंता ॥
कि सरबत्र भेखी ॥ कि सरबत्र पेखी ॥११५॥
कि सरबत्र काजै ॥ कि सरबत्र राजै ॥
कि सरबत्र सोखै ॥ कि सरबत्र पोखै ॥११६॥
कि सरबत्र त्राणै ॥ कि सरबत्र प्राणै ॥
कि सरबत्र देसै ॥ कि सरबत्र भेसै ॥११७॥
कि सरबत्र मानियैं ॥ सदैवं प्रधानियैं ॥
कि सरबत्र जापियै ॥ कि सरबत्र थापियै ॥११८॥
कि सरबत्र भानै ॥ कि सरबत्र मानै ॥
कि सरबत्र इंद्रै ॥ कि सरबत्र चंद्रै ॥११९॥
कि सरबं कलीमै ॥ कि परमं फ़हीमै ॥
कि आकल अलामै ॥ कि साहिब कलामै ॥१२०॥
कि हुसनल वजू हैं ॥ तमामुल रुजू हैं ॥
हमेसुल सलामैं ॥ सलीखत मुदामैं ॥१२१॥
ग़नीमुल शिकसतै ॥ ग़रीबुल परसतै ॥
बिलंदुल मकानैं ॥ ज़मीनुल ज़मानैं ॥१२२॥
तमीज़ुल तमामैं ॥ रुजूअल निधानैं ॥
हरीफुल अजीमैं ॥ रज़ाइक यकीनैं ॥१२३॥
अनेकुल तरंग हैं ॥ अभेद हैं अभंग हैं ॥
अज़ीज़ुल निवाज़ हैं ॥ ग़नीमुल ख़िराज हैं ॥१२४॥

निरुकत सरूप हैं ॥ त्रिमुकति बिभूत हैं ॥
प्रभुगति प्रभा हैं ॥ सु जुगति सुधा हैं ॥१२५॥
सदैवं सरूप हैं ॥ अभेदी अनूप हैं ॥
समसतो पराज हैं ॥ सदा सरब साज हैं ॥१२६॥
समसतुल सलाम हैं ॥ सदैवल अकाम हैं ॥
न्रिबाध सरूप हैं ॥ अगाधि हैं अनूप हैं ॥१२७॥
ओअं आदि रूपे ॥ अनादि सरूपै ॥
अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥१२८॥
त्रिबरगं त्रिबाधे ॥ अगंजे अगाधे ॥
सुभं सरब भागे ॥ सु सरबा अनुरागे ॥१२९॥
त्रिभुगत सरूप हैं ॥ अछिज हैं अछूत हैं ॥
कि नरकं प्रणास हैं ॥ प्रिथीउल प्रवास हैं ॥१३०॥
निरुकति प्रभा हैं ॥ सदैवं सदा हैं ॥
बिभुगति सरूप हैं ॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥१३१॥
निरुकति सदा हैं ॥ बिभुगति प्रभा हैं ॥
अन उकति सरूप हैं ॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥१३२॥

चाचरी छंद ॥
अभंग हैं ॥ अनंग हैं ॥ अभेख हैं ॥ अलेख हैं ॥१३३॥
अभरम हैं ॥ अकरम हैं ॥ अनादि हैं ॥ जुगादि हैं ॥१३४॥

अजै हैं ॥ अबै हैं ॥ अभूत हैं ॥ अधूत हैं ॥१३५॥

अनास हैं ॥ उदास हैं ॥ अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥१३६॥

अभगत हैं ॥ बिरकत हैं ॥ अनास हैं ॥ प्रकास हैं ॥१३७॥

निचिंत हैं ॥ सुनिंत हैं ॥ अलिख हैं ॥ अदिख हैं ॥१३८॥

अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥ अढाह हैं ॥ अगाह हैं ॥१३९॥

अस्मभ हैं ॥ अग्मभ हैं ॥ अनील हैं ॥ अनादि हैं ॥१४०॥

अनित हैं ॥ सुनित हैं ॥ अजात हैं ॥ अजाद हैं ॥१४१॥

चरपट छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

सरबं हंता ॥ सरबं गंता ॥

सरबं खिआता ॥ सरबं गिआता ॥१४२॥

सरबं हरता ॥ सरबं करता ॥

सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥१४३॥

सरबं करमं ॥ सरबं धरमं ॥

सरबं जुगता ॥ सरबं मुकता ॥१४४॥

रसावल छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

नमो नरक नासे ॥ सदैवं प्रकासे ॥

अनंगं सरूपे ॥ अभंगं बिभूते ॥१४५॥

प्रमाथं प्रमाथे ॥ सदा सरब साथे ॥

अगाध सरूपे ॥ न्रिबाध बिभूते ॥१४६॥
अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥
न्रिभंगी सरूपे ॥ सरबंगी अनूपे ॥१४७॥
न पोत्रै न पुत्रै ॥ न सत्रै न मित्रै ॥
न तातै न मातै ॥ न जातै न पातै ॥१४८॥
न्रिसाकं सरीक हैं ॥ अमितो अमीक हैं ॥
सदैवं प्रभा हैं ॥ अजै हैं अजा हैं ॥१४९॥

भगवती छंद ॥ त्व प्रसादि ॥
कि ज़ाहर ज़हूर हैं ॥ कि हाज़र जज़ूर हैं ॥
हमेसुल सलाम हैं ॥ समसतुल कलाम हैं ॥१५०॥
कि साहिब दिमाग़ हैं ॥ कि हुसनल चराग़ हैं ॥
कि कामल करीम हैं ॥ कि राज़क रहीम हैं ॥१५१॥
कि रोज़ी दिहिंद हैं ॥ कि राज़क रहिंद हैं ॥
करीमुल कमाल हैं ॥ कि हुसनल जमाल हैं ॥१५२॥
ग़नीमुल ख़िराज हैं ॥ ग़रीबुल निवाज़ हैं ॥
हरफ़िल शिकंन हैं ॥ हिरासुल फिकंन हैं ॥१५३॥
कलंकं प्रणास हैं ॥ समसतुल निवास हैं ॥
अगंजुल गनीम हैं ॥ रज़ाइक रहीम हैं ॥१५४॥
समसतुल जुबां हैं ॥ कि साहिब किरां हैं ॥

कि नरकं प्रणास हैं ॥ बहिसतुल निवास हैं ॥१५५॥

कि सरबुल गवंन हैं ॥ हमेसुल रवंन हैं ॥

तमामुल तमीज़ हैं ॥ समसतुल अज़ीज़ हैं ॥१५६॥

परं परम ईस हैं ॥ समसतुल अदीस हैं ॥

अदेसुल अलेख हैं ॥ हमेसुल अभेख हैं ॥१५७॥

ज़मीनुल ज़मा हैं ॥ अमीकुल इमा हैं ॥

करीमुल कमाल हैं ॥ कि जुरअति जमाल हैं ॥१५८॥

कि अचलं प्रकास हैं ॥ कि अमितो सुबास हैं ॥

कि अजब सरूप हैं ॥ कि अमितो बिभूत हैं ॥१५९॥

कि अमितो पसा हैं ॥ कि आतम प्रभा हैं ॥

कि अचलं अनंग हैं ॥ कि अमितो अभंग हैं ॥१६०॥

मधुभार छंद ॥ त्व प्रसादि ॥

मुनि मनि प्रनाम ॥ गुनि गन मुदाम ॥

अरि बर अगंज ॥ हरि नर प्रभंज ॥१६१॥

अन गन प्रनाम ॥ मुनि मनि सलाम ॥

हरि नर अखंड ॥ बर नर अमंड ॥१६२॥

अनभव अनास ॥ मुनि मनि प्रकास ॥

गुनि गन प्रनाम ॥ जल थल मुदाम ॥१६३॥

अनछिज अंग ॥ आसन अभंग ॥

उपमा अपार ॥ गति मिति उदार ॥१६४॥
जल थल अमंड ॥ दिस विस अभंड ॥
जल थल महंत ॥ दिस विस बिअंत ॥१६५॥
अनभव अनास ॥ ध्रित धर धुरास ॥
आजान बाहु ॥ एकै सदाहु ॥१६६॥
ओअंकार आदि ॥ कथनी अनादि ॥
खल खंड खिआल ॥ गुरबर अकाल ॥१६७॥
घर घरि प्रनाम ॥ चित चरन नाम ॥
अनछिज गात ॥ आजिज न बात ॥१६८॥
अनझंझ गात ॥ अनरंज बात ॥
अनटुट भंडार ॥ अनठट अपार ॥१६९॥
आडीठ धरम ॥ अति ढीठ करम ॥
अणब्रण अनंत ॥ दाता महंत ॥१७०॥

हरिबोलमना छंद ॥ त्व प्रसादि ॥
करुणालय हैं ॥ अरि घालय हैं ॥
खल खंडन हैं ॥ महि मंडन हैं ॥१७१॥
जगतेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥
कलि कारण हैं ॥ सरब उबारण हैं ॥१७२॥
ध्रित के धरण हैं ॥ जग के करण हैं ॥

मन मानिय हैं ॥ जग जानिय हैं ॥१७३॥

सरबं भर हैं ॥ सरबं कर हैं ॥

सरब पासिय हैं ॥ सरब नासिय हैं ॥१७४॥

करुणाकर हैं ॥ बिस्वम्भर हैं ॥

सरबेस्वर हैं ॥ जगतेस्वर हैं ॥१७५॥

ब्रहमंडस हैं ॥ खल खंडस हैं ॥

पर ते पर हैं ॥ करुणाकर हैं ॥१७६॥

अजपा जप हैं ॥ अथपा थप हैं ॥

अक्रिता क्रित हैं ॥ अम्रिता म्रित हैं ॥१७७॥

अम्रिता म्रित हैं ॥ करणा क्रित हैं ॥

अक्रिता क्रित हैं ॥ धरणी ध्रित हैं ॥१७८॥

अम्रितेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥

अक्रिता क्रित हैं ॥ अम्रिता म्रित हैं ॥१७९॥

अजबा क्रित हैं ॥ अम्रिता म्रित हैं ॥

नर नाइक हैं ॥ खल घाइक हैं ॥१८०॥

बिस्वम्भर हैं ॥ करुणालय हैं ॥

न्रिप नाइक हैं ॥ सरब पाइक हैं ॥१८१॥

भव भंजन हैं ॥ अरि गंजन हैं ॥

रिपु तापन हैं ॥ जपु जापन हैं ॥१८२॥

अकलं क्रित हैं ॥ सरबा क्रित हैं ॥

करता कर हैं ॥ हरता हरि हैं ॥१८३॥
परमातम हैं ॥ सरब आतम हैं ॥
आतम बस हैं ॥ जस के जस हैं ॥१८४॥

भुजंग प्रयात छंद ॥
नमो सूरज सूरजे नमो चंद्र चंद्रे ॥
नमो राज राजे नमो इंद्र इंद्रे ॥
नमो अंधकारे नमो तेज तेजे ॥
नमो बिं्रद बिं्रदे नमो बीज बीजे ॥१८५॥
नमो राजसं तामसं सांत रूपे ॥
नमो परम ततं अततं सरूपे ॥
नमो जोग जोगे नमो गिआन गिआने ॥
नमो मंत्र मंत्रे नमो धिआन धिआने ॥१८६॥
नमो जुध जुधे नमो गिआन गिआने ॥
नमो भोज भोजे नमो पान पाने ॥
नमो कलह करता नमो सांत रूपे ॥
नमो इंद्र इंद्रे अनादं बिभूते ॥१८७॥
कलंकार रूपे अलंकार अलंके ॥
नमो आस आसे नमो बांक बंके ॥
अभंगी सरूपे अनंगी अनामे ॥

त्रिभंगी त्रिकाले अनंगी अकामे ॥१८८॥

एक अछरी छंद ॥

अजै ॥ अलै ॥ अभै ॥ अबै ॥१८९॥

अभू ॥ अजू ॥ अनास ॥ अकास ॥१९०॥

अगंज ॥ अभंज ॥ अलख ॥ अभख ॥१९१॥

अकाल ॥ दिआल ॥ अलेख ॥ अभेख ॥१९२॥

अनाम ॥ अकाम ॥ अगाह ॥ अढाह ॥१९३॥

अनाथे ॥ प्रमाथे ॥ अजोनी ॥ अमोनी ॥१९४॥

न रागे ॥ न रंगे ॥ न रूपे ॥ न रेखे ॥१९५॥

अकरमं ॥ अभरमं ॥ अगंजे ॥ अलेखे ॥१९६॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमसतुल प्रणामे समसतुल प्रणासे ॥

अगंजुल अनामे समसतुल निवासे ॥

न्रिकामं बिभूते समसतुल सरूपे ॥

कुकरमं प्रणासी सुधरमं बिभूते ॥१९७॥

सदा सचिदानंद सत्रं प्रणासी ॥

करीमुल कुनिंदा समसतुल निवासी ॥

अजाइब बिभूते गजाइब गनीमे ॥

हरीअं करीअं करीमुल रहीमे ॥१९८॥

चत्र चक्र वरती चत्र चक्र भुगते ॥

सुय्मभव सुभं सरबदा सरब जुगते ॥

दुकालं प्रणासी दिआलं सरूपे ॥

सदा अंग संगे अभंगं बिभूते ॥१९९॥